भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1876

सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022/28 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सतत पर्यटन के संबंध में सीईओ का गोलमेज सम्मेलन

†1876. श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

श्री विनोद कुमार सोनकर:

श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):

श्री भोला सिंह:

डॉ. सुकान्त मजूमदार:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यटन मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के साथ साझेदारी में 'सतत पर्यटन के संबंध में सीईओ का गोलमेज सम्मेलन' का आयोजन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यटन क्षेत्र में बदलाव के लिए उक्त कार्यक्रम के प्रमुख परिणाम और सिफारिशें क्या हैं;

(घ) क्या भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता के कारण विदेशी पर्यटकों के भारी संख्या में आगमन को ध्यान में रखते हुए पर्यटन क्षेत्र ने अच्छी तैयारी की है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : जी, हां महोदय । पर्यटन द्वारा स्थायित्व की दिशा में बढ़ने के लिए औद्योगिक हितधारकों के परस्पर सहयोग और सहभागिता में वृद्धि करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और जिम्मेदार पर्यटन सोसायटी (आरटीएसओआई) के सहयोग से शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022 को 'स्थायी पर्यटन पर सीईओ गोल मेज' का आयोजन किया ।

गोल मेज ने लाइफ के लिए यात्रा शपथ, जिम्मेदार यात्री अभियान और वैश्विक पर्यटन प्लास्टिक पहलों के बीच संबंध स्थापित किया ।

प्रतिभागियों ने लाइफ के लिए यात्रा अभियान पर हस्ताक्षर करने और अपने नेटवर्क, यात्रियों और अन्य हितधारकों के बीच इसका व्यापक रूप से संवर्धन करने हेतु स्वयं को प्रतिबद्ध किया ।

उपरोल्लिखित स्थायी पर्यटन पर सीईओ गोल मेज का अनुसरण करते हुए भारत के आतिथ्य उद्योग से 7 नए हस्ताक्षरकर्ताओं ने पर्यटन क्षेत्र में प्लास्टिक प्रदूषण के प्रबंधन के लिए महत्वकांक्षी संकल्प पर हस्ताक्षर किए हैं और वैश्विक पर्यटन प्लास्टिक पहल को अपनाया है ।

(घ) और (च) : जी-20 प्रेसिडेंसी के दौरान आगंतुकों के आगमन को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने ''अतुल्य भारत ! विजिट इंडिया वर्ष 2023'' की घोषणा की है । वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने हेतु देश के विभिन्न भारतीय पर्यटन उत्पादों और पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन सृजक बाजारों में भारत को एक समग्र गंतव्य के रूप में प्रोत्साहित करने के उपाय किए हैं ।

उपर्युक्त उद्देश्य को यात्रा उद्योग, राज्य सरकारों और भारतीय मिशनों के सहयोग से एक एकीकृत बाजार और संवर्धन कार्यनीति के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा । सरकार औद्योगिक विशेषज्ञों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ निरंतर संपर्क में रहती है और भारत के विविध पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए उनके सुझाव और प्रतिक्रिया लेती है ।

भारत में जी-20 बैठकों की तैयारी के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग संबंधी हितधारकों और सेवा प्रदाताओं के विभिन्न क्षेत्रों के लिए देशभर में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उन सेवा प्रदाताओं को भी शामिल किया गया है जो अन्य व्यवसाय करते हैं, परंतु पर्यटक के संपर्क में आते हैं । इनमें अतुल्य भारत पर्यटन गाइड, रिक्शाचालक, ऑटो/टैक्सी ड्राइवर, पुलिस कर्मचारी, एयरपोर्ट पर आप्रवासन कर्मचारी, टैक्सी/कोच चालक, स्मारकों पर तैनात कर्मचारी, गाइड आदि शामिल हैं ।

******